स्वाल द्वारा गेहूँ का नया खरपतवारनाशक 'क्लोमेट' प्रस्तुत

भारत की एक जानीमानी एग्रोकेमिकल कंपनी स्वाल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पंजाब एवं हरियाणा राज्य में गेहूँ का एक नया खरपतवारनाशक 'क्लोमेट' लांच किया गया। 'क्लोमेट' एक अनोखा खरपतवारनाशक है जो गेहूँ की फसल में खरपतवारों से जंग करता है और किसान को घास एवं चौड़ी पत्ती वाली खरपतवारों के परेशानी से मुक्ति दिलाता है।

गेहूँ भारत का मुख्य खाद्यान्न है जो लाखों भारतीयों का मुख्य भोजन कहलाता है। खरपतवार गेहूँ की फसल की प्रमुख परेशानी बन चुका है। खरपतवार से लगभग 24% तक की उपज में कमी आती है। खरपतवार न केवल उपज और गुणवत्ता कम करता है बल्कि हार्वेस्टिंग (कटाई) कठिन बना देता है।

'क्लोमेट' एक चुनिंदा अंकुरण पश्चात् खरपतवारनाशक है। जो अपनी दोहरी कार्य–प्रणाली से खरपतवार प्रतिरोधकता कम करता है। 'क्लोमेट' में दो सक्रीय घटक है जिससे खरपतवारों पर बेहतर प्रबंधन मिलता है। 'क्लोमेट' का एक घटक प्रकाश संश्लेषण क्रिया पर रोक लगाता है तो दूसरा लिपिड फॉर्मेशन बंद कर देता है। 'क्लोमेट' पर्यावरण एवम् अगली फसल के लिए सुरक्षित उत्पाद है। 'क्लोमेट' मिट्टी के रासायनिक गुण तथा जैविक गतिविधियों के लिए सुरक्षित है।

आज किसानों की परेशानीयां का सबब बन चुके घास जाती के खरपतवार जैसे गुल्ली डंडा/मंडूसी, जंगली जई, पोआ घास और चौड़ी पत्ती के खरपतवार जैसे बाथू, जंगली पालक, मैना, कृष्णनील, गजरी इत्यादि का सफलतापूर्वक प्रबंधन 'क्लोमेट' करता है। 'क्लोमेट' की सिफारिस गेहूँ की किस्में जैसे कि HD–2967, HD–2933, HD–2852, PBW–373, DBW–292 में ही की गई है। गेहूँ बुवाई के 30 से 35 दिनों के बीच 200 ग्राम 'क्लोमेट' + 500 मि.लि. 'क्लोमेट' मिक्स (सि–मिक्स) 150 लिटर पानी में घोल कर एक एकड़ में एकसमान छिडके।

आने वाले दिनों में 'क्लोमेट' खरपतवारों की परेशानियां दूर करके किसानों के लिए एक वरदान ही माना जाएगा।

'क्लोमेट' को इस साल किसानों ने प्रयोग कर इसकी प्रशंसा की। 'क्लोमेट' के परिणाम पर किसान भाइयों की प्रतिक्रिया कुछ इस तरह रही–

किसान का नाम– राजकुमार
S/o अर्जुन सिंह, गाँव–मेहमदपुर
तहसील–जिला– करनाल (हरियाणा)

मैं 40 एकड़ में गेहूँ की खेती करता हूँ। मैंने खरपतवार नियंत्रण के लिए आज तक बहुत तरह की दवाईयां प्रयोग की लेकिन मंडूसी, जंगली पालक, बाथू नियन्त्रित नहीं होते थे। ये अब एक बहुत बड़ी समस्या बन चुकी है। इस साल मैने स्वाल की 'क्लोमेट' दवाई इस्तेमाल की, इसका परिणाम बहुत बढ़िया है। 'क्लोमेट' के छिड़काव से सभी तरह के खरपतवार खत्म हो गए और गेहूँ की फसल पूरी तरह सुरक्षित है। 'क्लोमेट' जैसी अन्य दवाई नहीं है। सभी किसान भाइयों से कहूँगा की गेहूँ की फसल में खरपतवार नियन्त्रण के लिए 'क्लोमेट' का ही इस्तमाल करें।

किसान का नाम– इसम सिंह,
गाँव–मीर बागडा, तहसील–राजोद,
जिला–कैथल (हरियाणा)

मैं इसम सिंह गाँव मीर बागडा तहसील राजोद जिला कैथल का किसान हूँ। मैं 6 एकड़ में 2967 किस्म के गेहूँ की खेती करता हूँ। पिछले 5–6 सालों से मंडूसी की समस्या है। सभी तरह की दवाइयां इस्तेमाल की लेकिन मडूंसी नियन्त्रित नहीं हुई। इस साल स्वाल कंपनी की 'क्लोमेट' दवाई का छिड़काव किया। इस दवाई ने बाथू के साथ–साथ जंगली पालक और मंडूसी भी नियन्त्रित कर दी। यह दवाई 'क्लोमेट' गेहूँ के लिए सुरक्षित है।

किसान का नाम – दर्शन सिंह,
S/o जागीर सिंह, गाँव–बल्लिओं
तहसील–समराला , जिला–लुधियाना (पंजाब)

'क्लोमेट' का रिजल्ट बहुत बढ़िया है। गुल्ली डंडा, बाथू, मैना सब मर गए, गेहूँ बिल्कुल सुरक्षित है। गेहूँ की किस्म 2967 में 35 दिन पर 'क्लोमेट' का छिड़काव किया और खरपतवार पूरा कण्ट्रोल किया। मैं आगे भी 'क्लोमेट' का ही प्रयोग करूँगा।

किसान का नाम – जसमीर सिंह
गाँव–कुरबानपुर तहसील–अम्बाला ,
जिला–अम्बाला (हरियाणा)

मैं 82 एकड़ में गेहूँ की खेती करता हूँ। कई सालों से गुल्ली डंडा और चौड़ी पत्ती खरपतवार की समस्या आती है। गुल्ली डंडा कोई भी दवाई से नहीं मरता। इस साल स्वाल कंपनी की 'क्लोमेट' दवाई का छिड़काव 70 एकड़ में किया। खरपतवारों पर ऐसा रिजल्ट न कभी आया न हमने देखा, 'क्लोमेट' ने सारे खरपतवार खत्म कर दिए। 'क्लोमेट' एक बहुत बढ़िया दवाई है और गेहूँ के लिए एकदम सुरक्षित है।

क्लोमेट अनुपचारित खेत

क्लोमेट से उपचारित खेत